(घ) केन्द्रीय सरकार ने राज्य को राहत और पुनर्वास कार्य के लिए कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की है ; और

(ङ) उसका जिला वार ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम): (क) केन्द्रीय सहायता की मांग के लिये एक ज्ञापन प्राप्त होने के बाद एक केन्द्रीय दल ने सूखे की स्थिति का जायजा लेने के लिये 7–9 अप्रैल, 1992 को मध्य प्रदेश के कुछ भागों का दौरा किया ।

(ख) और (ग) : केन्द्रीय दल की सिफारिशों के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि आपदा राहत कोष के अलावा अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता नहीं है । विभिन्न केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं के अन्तर्गत इस्तेमाल न हुई धनराशियां उपलब्ध थी और उनका उपयोग सूखा राहत उपायों के लिये किया जा सकता था । राज्य सरकार के संसाधनों में वृद्धि करने के लिये वर्ष 1992–93 के लिये आपदा राहत कोष से केन्द्रीय अंश की 6.94 करोड़ रुपये की दूसरी तिमाही किस्त अग्रिम रूप से निमुक्त कर दी गई थी ।

(घ) और (ङ) वर्ष 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 के दौरान आपदा राहत कोष में केन्द्रीय अंश को 27.75 करोड़ रुपये की वार्षिक धनराशि मध्य प्रदेश सरकार को दी गई थी । भारत सरकार आपदा राहत कोष का कोई जिलावार आबंटन नहीं करती ।

कृषि विकास हेतु गुजरात को धन का आवंटन

2835. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1993–94 और 1994–95 के दौरान कृषि विकास हेतु गुजरात राज्य को कितनी धनराशि आवंटित की गई ;

(ख) गुजरात सरकार द्वारा वास्तव में कितनी धनराशि का उपयोग किया गया ;

(ग) क्या गुजरात सरकार ने चालू वर्ष के लिए अतिरिक्त धनराशि की मांग की है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) और (ख) राज्यों को वार्षिक योजनाओं के लिये किये जाने वाले क्षेत्रवार आबंटन को विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिये राज्यों के साथ परामर्श करके योजना आयोग द्वारा अन्तिम रूप दिया जाता है ।

विगत दो वर्षों के दौरान गुजरात राज्य सरकार को स्वीकृत आबंटन और उसके द्वारा व्यय की गई राशि इस प्रकार है :—

(करोड़ रुपये में)

वर्ष	आबंटन	व्यय
1993–94	126.26	106.37
1994–95	133.30	53.12 (दिसम्बर, 94 तक)

(ग) जी नहीं ।

(घ) यह प्रश्न नहीं उठता ।

Production of Cotton

2836. SHRI INDER KUMAR GUJRAL: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the estimated production of cotton in this season;

(b) the estimated requirement of cotton in this season particularly by the handloom sector;

(c) the estimates of the world-wide production of cotton and whether there is any likehood of shortfall; and

(d) the steps being taken to meet the estimated deficit, if any, in the ensuing season?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) Final estimates of cotton, production for 1994-95 have yet not been received from the States. As per available assessment, production of cotton in the country during 1994-95 is likely to be 116.5 lakh bales of 170 kgs. each. Cotton Advisory Board's estimates of likely production of cotton for the current year is, however, placed at 125.0 lakh bales of 170 kgs. each.

(b) The requirement of cotton during 1994-95 as estimated by the Cotton Advisory Board (CAB) is as under:

(In lakh bales of 170 kgs. each)

(i) Mill Consumption—114.00

(ii) Non-mill consumption—8.00

(iii) Small Spinners consumption— 5.00

The handloom industry does not consume cotton directly but uses cotton yarn in hank form. However, the amount of cotton required to meet the anticipated consumption of hank yarn by the handloom sector during the financial year 1994-95 has been worked out as 28.4 lakh bales (170 kg. each).

(c) The world production estimate of cotton during 1994-95 has been reported as 18.25 million tonnes. As per the latest indications available, there is no likelihood of shortfall.

(d) The Government of India has taken the following steps to augment the supply of cotton in the country.

(i) Import of cotton placed under OGL with zero import duty;

(ii) import of fabrics, madeups and garments allowed under special import licence;

(iii) Polyster staple fibres have been removed from negative list of import and allowed to be imported freely w.e.f. 17.2.95.

कृषि उत्पादों और दुग्ध की विकास दर में कमी

2837. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कई राज्यों में कृषि उत्पादों और दुग्ध की विकास दर में कमी आई है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है ; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान कृषि उत्पादों और दुग्ध की विकास दर का राज्य-वार ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) और (ख) हाल ही की अवधि अर्थात् 1980–81 से 1992–93 में अधिकतर राज्यों ने कृषि उत्पादन में उच्च वृद्धि दर दर्शायी है । लेकिन, कुछ राज्यों ने हाल ही के वर्षों में कृषि उत्पादन की वृद्धि दर में गिरावट दर्शायी है । इसका मुख्य कारण उन राज्यों में वर्षा तथा मौसम की खराब स्थिति तथा फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र में स्थिरता है ।

(ग) पिछले तीन वर्षों अर्थात् 1990–91 से 1992–93 के दौरान कृषि क्षेत्र से राज्यीय निवल घरेलू उत्पाद तथा दुग्ध उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष के दौरान हुई प्रतिशत वृद्धि (अद्यतन उपलब्ध) के ब्यौरे विवरण I तथा II के रूप में संलग्न हैं ।